Dr. Kanti Kumar
Asstt Prof. (Guest)
Deptt of Psychology, S.R.A.P. College Barachakia,
(A constituent unit of B.R.A. Bihar University MFP)

Subject Psychology
Topic Thorndike's theory of learning.
Class B.A. Psychology Hons Part I (1st Paper)
Day: Friday
Date: 17/02/2023
Period- 1 day
Contact no.- 9801466117

प्रश्नसं. थॉर्नडाइक के शिक्षण सिद्धान्त का मूल्यांकन करें।

अथवा

सीखने के प्रयास-त्रुटि सिद्धान्त का मूल्यांकन करें।

अथवा

सीखने के प्रयत्न और भूल सिद्धान्त की व्याख्या सोदाहरण करें।

उत्तर:- प्रयत्न और भूल सिद्धान्त के प्रणेता प्रो० थॉर्नडाइक महोदय हैं। इस सिद्धान्त को क्रियात्मक सिद्धान्त भी कहा जाता है। इस सिद्धान्त के अनुसार पशु अथवा मनुष्य सभी किसी-न-किसी क्रिया को करते-करते ही सीखते हैं। तात्पर्य यह है कि व्यक्ति के सामने जब कोई नया काम करने को आ जाता है तब परिस्थिति के दबाव के कारण वह व्याकुल होकर कुछ निर्णय लेना चाहता है अथवा अपने क्रियात्मक व्यवहारों से सफलता प्राप्त करना चाहता है। प्रारम्भ में व्यक्ति को बहुत असफलता होती है लेकिन बाद में गलतियाँ कम होती हैं और सफलता भी मिल जाती है। इस प्रकार वह गलत रास्ते को छोड़कर सही रास्ते से चलना और सही तरीके से काम करना सीख जाता है। कई बार-बार पर ऐसा समय आता है जब कि बिल्कुल त्रुटि व निपुणता के साथ काम करना सीख लेता है और उसे समय के लिए भी कम लगता है।

थॉर्नडाइक महोदय ने एक प्रमाणित प्रयोग चूहे पर भी किया। एक भूखे चूहे को लेकर [illegible] इन्होंने

है प्रवेशद्वार पर रख दिया गया। इसमें दो रास्ते बने थे एक रास्ते से जाने पर चूहा निकलते ही पनीर का टुकड़ा खा के मिल जाने की व्यवस्था थी और दूसरे रास्ते से निकलने पर बिजली का झटका लग जाता था। देखा गया कि प्रारम्भ में कुछ ही चूहे व्यग्र होकर इधर-उधर घूमने लगता था। वह बार बार लौटकर आता था। गलत रास्ते पर जाने पर बिजली का झटका खाता था। वह बार-बार प्रयास करता था। वह कभी-कभी सही रास्ते पर भी चला जाता था।

अतः बार-बार प्रयास करने पर अंत में वह सही रास्ते पर गया और उसे पनीर का टुकड़ा खाने के लिए मिल गया।

दूसरा प्रमाणिक प्रयोग थार्नडाइक ने बिल्ली पर किया। बिल्ली को उलझन बाक्स में रखा गया, जिसके बारे में उसे किसी प्रकार का कोई ज्ञान नहीं था। बिल्ली को प्रेरित करने के लिए चौबीस घंटे तक भूखा रखा गया। उलझन बाक्स का दरवाजा इस प्रकार बना हुआ था कि अन्दर से एक ~~बाहर से~~ बटन को दबाने से वह खुल जाता था। बाक्स के बाहर बिल्ली के लिए भोजन मछली रख दी गयी थी। बिल्ली के सामने समस्या यह थी कि वह पिंजड़े के दरवाजे को खोलना सीख जाय। उलझन बाक्स में बन्द होने मात्र से ही वह बाहर आने के लिए उछल-कूद करने लगी। वह नाना प्रकार का प्रयास करने लगी। वह कभी बक्से के छिद्रों से पंजा निकाल कर बाहर निकलने का प्रयास करने लगी। अपने पंजों से छिद्रों को तोड़ने का प्रयास करने लगी। किसी हिलती हुई छड़ को तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास करने लगी, अतः इसी जोर आजमाइश के अन्तर्गत पंजा बटन पर पड़ गया और उलझन बाक्स का बटन दब गया, दरवाजा खुल गया। और बिल्ली बाक्स से बाहर आ कर बाहर में रखी हुई मछली खा ली। इस प्रकार इस प्रयोग को बार-बार कई दिन तक किया गया और देखा गया कि धीरे-धीरे प्रयासों की संख्या कम होती गयी। और अन्ततः बिल्ली दरवाजा खोलना सीख ली।